भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2531 का उत्तर

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

2531. श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री मनीष जायसवाल:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में पर्यटन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में योगदान देने हेतु की गई पहल के लिए रेलवे द्वारा भारत गौरव यात्रा पर्यटन ट्रेन श्री जगन्नाथ यात्रा के गंतव्यों के लिए चलाई जा रही भारत गौरव पर्यटन ट्रेन के उद्दश्यों तथा प्रमुख विशेषताओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त ट्रेन की सेवाओं और सुविधाओं का अनुभव करने वाले यात्रियों द्वारा दिए गए प्रशंसा पत्र का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त ट्रेन की शुरुआत भारत सरकार की "देखो अपना देश" पहल के अनुरूप है और यदि हां, तो देश में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने में इस ट्रेन की क्या भूमिका है;

(ङ) क्या श्री राम-जानकी यात्रा अयोध्या से जनकपुर पहल भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देती है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या उक्त ट्रेन के माध्यम से गरवी गुजरात यात्रा भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में मदद करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए उक्त ट्रेनों का निर्बाध संचालन और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ज) झारखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही विशेष ट्रेनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज) भारतीय रेल ने नवंबर, 2021 में 'भारत गौरव गाड़ी' नीति जारी की थी। इस योजना का उद्देश्य भारत गौरव गाड़ियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भव्य ऐतिहासिक स्थलों को भारत और दुनिया के लोगों के सामने प्रदर्शित करना है। भारत गौरव पर्यटक गाड़ी, "श्री जगन्नाथ यात्रा" का परिचालन 25.01.2023 को किया गया था। इसकी 7 रात और 8 दिन की यात्रा में वाराणसी (काशी), बैद्यनाथ धाम, जगन्नाथ पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क और गया को कवर किया गया है।

श्री राम जानकी यात्रा में नेपाल में स्थित जनकपुर सहित भगवान राम के जीवन से जुड़े तीर्थस्थलों को शामिल किया गया है। यात्रा कार्यक्रम में अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर (नेपाल), बक्सर, वाराणसी, सीता समाहित स्थल, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट शामिल हैं। इस पहल से जनकपुर और लोकप्रिय हो गया है और अब यह भारतीयों का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह अंतर्संबंध भारत और नेपाल की साझा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का उदाहरण है, जो दोनों देशों को एकजुट करने वाले गहन सभ्यतागत संबंधों को उजागर करता है। इस प्रकार की पहल से लोगों में आपसी संपर्क बढ़ता है और सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मजबूत होता है।

भारत गौरव गाड़ी के माध्यम से संचालित "गर्वी गुजरात" यात्रा विभिन्न सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों जैसे चंपानेर, पावागढ़, साबरमती आश्रम, मोढेरा सूर्य मंदिर, रानी की वाव (पाटन), द्वारकाधीश, सोमनाथ मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग और आधुनिक अद्भुत प्रतिमाओं जैसे केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और दांडी कुटीर (अहमदाबाद) को कवर किया गया है।

झारखंड के देवघर में स्थित बैजनाथ धाम भारत गौरव गाड़ियों के कुछ यात्रा कार्यक्रमों में शामिल तीर्थ स्थलों में से एक है।

भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी में यात्रा के दौरान आरामदायक और आधुनिक यात्री सुविधाएं हैं, जिनमें डाइनिंग कार, शॉवर क्यूबिकल, ऑनबोर्ड घोषणा सुविधाएं, मिनी लाइब्रेरी, डिजिटल लॉकर, फुट मसाजर आदि शामिल हैं।

भारत गौरव गाड़ियों का निर्बाध परिचालन और अनुरक्षण सुनिश्चित करना भारतीय रेल का सतत् प्रयास रहता है। यात्रा के दौरान अनुरक्षण संबंधी समस्याओं को देखने के लिए गाड़ी में दो अनुरक्षण कर्मचारियों को भी तैनात किया जाता है।

गाड़ी में यात्रा करने वाले पर्यटकों से फीडबैक लिया जाता है और सेवाओं में समग्र सुधार लाने के लिए रचनात्मक सुझावों पर विचार किया जाता है। भारतीय रेल भारत गौरव गाड़ियों में यात्रा करने वाले पर्यटकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने और उनके यात्रा अनुभव को यादगार बनाने का प्रयास करती है।

*****